WORKSHEET 4

विराम - चिह्न

१ प्रणव पुस्तक पढता है

२.राम श्याम मनु नेहा मैदान में खेलते है

३. सज्जनों मेरी बात सुनो

४. तुम दिन रात काम करो

५. गोदान की कथा संक्षेप में लिखो

६ तुम कहाँ जा रहे हो

सर्वनाम छाँटकर लिखिए

१. उसने हमे कहानी सुनाई।

२. वे सदा आपका आदर करते है।

३. तुम अब किसे बुलाओगे ?

४. तुम जिसे चाहो यह दे दो

पत्र लेखन

अपनी सहेली को कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त मिलने पर एक बधाई पत्र लिखिए।

WORKSHEET 5

IV निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नो के उत्तर लिखिए :- 5

हीरा और कोयला दोनों एक ही ख़ान से पैदा होने के कारण सहोदर है परंतु दोनों की उपयोगिता में महान अंतर है। कोयले के अभाव में सारे कारोबार ठप हो जाएँ पर हीरे की अभाव में ऐसी स्थिति पैदा नहीं हो सकती। उपयोगिता से गुण ग्राह्य होते है, बाहरी चकाचौंध किसी काम की नहीं होती। कोयला काला है, परंतु उसके कार्य और गुण उज्वल है। हमारे जीवन का एक बड़ा भाग कोयले पर ही निर्भर है। वह सादगी और सरलता का प्रतीक है जबकि हीरा निठल्लेपन तथा अहंकार की भावनाओं को जन्म देता है। किसी भी वस्तु या पदार्थ का बाहरी रूप ही उसके मूल्य का निर्णयक नहीं होता। हीरा हो या कोयला, दोनों की जन्मभूमि मिट्टी है, जिसमे वे दबे रहते है। वही उन्हें, इन दोनों में से कोई एक रूप प्रदान करती है। इन दोनों की उत्पत्ति और उपयोग पर विचार करने से उपरोक्त कथन की सत्यता स्वत: शत - प्रतिशत प्रमाणित हो जाती है।

1. हीरा और कोयला कहाँ पाए जाते है?
2. हीरे और कोयले में क्या समानता है?
3. हीरा और कोयला किसका प्रतीक माना जाता है?
4. किसी वस्तु या पदार्थ के वास्तविक मूल्य निर्धारण का आधार क्या है?
5. हीरे की तुलना में कोयले को श्रेष्ठ क्यों ठहराया जाता है?

पत्र लेखन 5

१. गर्मियों की छुट्टियों तुम्हारा दिन कैसे बीतने वाले है और क्या करनेवाले है । अपनी चाची को पत्र लिखकर बताइए।

REVISION WORKSHEET STD VI

WORKSHEET - 1

खंड क

I दिए गये गद्यश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नो के उत्तर लिखिए :- 5

समस्त ग्रंथों एव ज्ञानी , अनुभवी जनों का कहना है कि जीवन एक कर्मक्षेत्र है। हमे कर्म केलिए जीवन मिला है। कठिनाइयाँ एव दुख हमारे शत्रु है , जिनका हमे सामना करना है और उनके विरुद्ध संघर्ष करके हमे विजयी बनना है। विश्व के प्राय: समस्त महापुरुषों के जीवन वृत जिनका हमे यह शिक्षा देते है कि महानता का रहस्य संघर्षशीलता है। परिश्रम, दृद इच्छा शक्ति व लग्न आदि मानवीय गुण व्यक्ति को संघर्ष करने और जीवन में सफलता पाने का मार्ग प्रशस्त करते है। परिश्रम ना करने वाला अकर्मण्य व्यक्ति असफल होने पर भाग्य को दोष देकर संतोष कर लेता है।

1. समस्त ग्रंथों एव ज्ञानी , अनुभवी जनों के अनुसार जीवन क्या है ?
2. हमारे शत्रु कौन है ?
3. महापुरषों के जीवन व्रत्त हमे क्या शिक्षा देते है ?
4. कौन – कौन से मानवीय गुण व्यक्ति को सफलता का मार्ग पर प्रशस्त करते है ?
5. कौन भाग्य को दोष देकर संतोष कर लेता है ?

II पर्याय लिखिए 2

विश्व , मानव

III प्रत्यय अलग कीजिये ;- 1

कठिनाई , महानता

IV वर्ण विच्छेद कीजिए ;- 1

परिश्रम , व्यक्ति , प्रशस्त , संघर्ष

V विलोम शब्द लिखिए :- 1

शत्रु , सफल

xxxxxx

WORK SHEET - 2

II नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:- 5

कबड्डी भारत का प्राचीन खेल है| इसे खुले एवं समतल स्थान में खेला जाता है| दुनिया भर में क्रिकेट, हॉकी, फुटबॉल. लॉन टेनिस जैसे अनेक लोकप्रिय खेल खेले जाते है, फिर भी इन में कबड्डी का अपना एक अलग स्थान है | गरीब से गरीब आदमी भी कबड्डी के खेल का आनंद उठा सकते है | परंतु कबड्डी खेल से होनेवाले लाभ कम नहीं है | इसे खेलने से शरीर की मांस पेशियां मज़बूत होती है और व्यक्ति स्वस्थ बना रहता है| भारत एवं इसके पडोसी देशों में कबड्डी के खेल का महत्त्व बढ़ रहा है| एशियाई खेलों में कबड्डी का खेल शामिल है|

प्रश्न

१. कबड्डी का खेल कैसे स्थान पर खेला जाता है?

२. दुनिया भर में कौन-कौन - सा खेल लोकप्रिय है ?

३ कबड्डी खेलने में क्या लाभ है ?

४. कबड्डी के खेल का महत्त्व किन देशों में बढ़ रहा है ?

५. उपयुक्त शीर्षक लिखिए - (title)

समानार्थ लिखिए 2

दुनिया , गरीब , शरीर , प्राचीन

उपसर्ग अलग कीजिये ;- 1

अधर्म , बदनाम , सपूत , प्रत्येक

वर्ण विच्छेद कीजिए ;- 1

कबड्ड़ी ,महत्त्व , लोकप्रिय , प्राचीन

विलोम शब्द लिखिए :-1

प्राचीन , कम , स्वस्थ , मज़बूत

WORKSHEET 3

III निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नो के उत्तर दीजिए-

मनुष्य परमात्मा की सर्वश्रेष्ठ रचना है| सामाजिक संबंधों को मर्यादित रखने केलिए ईस्वर ने संबंधों के लंबी शृंखला बनाई है| उन संबंधों में एक पवित्र और सर्वोच्च नाम मित्रता है, कहते है सीमा – रहित संबंधों को निभाने केलिए ऐसे मित्र का चयन अवश्यक ही नहीं बल्कि अनिवार्य हो जाता है, जो अच्छे – बुरे का अंतर स्पष्ट करते हुए उत्थान की तरफ ले जाए | अच्छे लोगों की मित्रता से मनुष्य अच्छे गुण सीखता है | वस्तुत: अपने से गुणी, बुद्धिमान और योग्य व्यक्ति की मित्रता बुलंदियों तक पहुँचाती है| इसके विपरीत अधम, मूर्ख, कायर, अयोग्य व्यक्ति की दोस्ती पतन का मार्ग खोलती है | इसलिए मित्र बनाने से पहले मित्रता की कसौटी पर उसे परख लेना अनिवार्य होता है| सच्ची मित्रता कल्पतरु की समान है जो समस्त मनोकामनाओं को पूर्ण करनेवाली होती है | सच्ची मित्रता ऐसी भाहों के समान है जो गिरते हुए मनुष्य को थामकर उत्तरोत्तर विकास की और अग्रसर करती है|

प्रश्न 5

क. परमात्मा की सर्व श्रेष्ठ रचना क्या है ?

(i)मनुष्य, (ii) दानव, (iii) यक्ष, (iv) जिन्न

ख सामाजिक संबंधों को मर्यादित रखने केलिए इश्वर ने किसकी शृंखला बनाई ?

(i)खाद्य शृंखला, (ii) संबंधों की शृंखला, (iii) पुस्तक शृंखला , (iv) पर्वत शृंखला

ग.. मनुष्य अच्छे- अच्छे गुण किससे सीखता है?

(i)दुष्ट की संगत से, (ii) बुरे लोगों की धोखेबास व्यक्ति की मित्रता से , (iii) अच्छे लोगों की मित्रता से, (iii) धनी लोगों की मित्रता से

घ. किससे मित्रता बुलंदियों तक पहुँचती है?

(i)अपने से गुणी, बुद्धिमान और योग्य व्यक्ति से, (ii) हीन, दीन और मूर्ख व्यक्ति से मित्रता,

(iii) चतुर, अयोग्य और

(iii) मित्रता, (iv) अधम, मूर्ख और कायर व्यक्ति से मित्रता

ड. सच्ची मित्रता किसके समान होती है?

(i) वटवृक्ष के समान, (ii) पेपल वृक्ष के समान,

(iii)नींम के पेड़ के समान, (iv)कलपतरू के समान

अनुच्छेद लेखन 5

१. स्वच्छता अभियान

संकेत बिंदु - ० स्वच्छता का अर्थ ० अभियान का उद्देश्य ० कार्य ० नागरिकों का कर्तव्य

xxxxxx